



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 143]

No. 143]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 23, 1980/श्रावण 1, 1902

NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 23, 1980/SRAVANA 1, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं० : 30 आई०टी०सी० (पी०एन०)/80

नई दिल्ली, 23 जुलाई, 1980

विषय :—आस्ट्रियन पूंजीगत माल क्रेडिट 1979 के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र के आयातों के लिए लाइसेंस शर्तें ।

मिसिल सं० आई०पी०सी०/23/4/80 :—आस्ट्रियन पूंजीगत माल क्रेडिट 1979 के अधीन आयात लाइसेंसों के निर्गमन को नियंत्रित करने वाली वे शर्तें जो इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट 1 एवं 2 में दी गई हैं, जानकारी के लिये अधिसूचित की जाती हैं ।

मणि नारायणस्वामी,

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

परिशिष्ट—1

आस्ट्रियन पूंजीगत माल क्रेडिट 1979 के अन्तर्गत सार्वजनिक क्षेत्र आयातों के लिए लाइसेंस जारी करने के लिए शर्तें ।

1. लाइसेंस 12 मास की प्रारम्भिक वैधता अवधि के लिये जारी किये जायेंगे किन्तु आस्ट्रियन संभरकों को पक्के आदेश लागत-बीमा-भाड़ा/लागत तथा भाड़ा आधार पर दिये जाने चाहियें और इनकी प्रतियां आबंटन की तारीख से छः मास के भीतर या आयात लाइसेंस जारी करने की तारीख से चार मास की अवधि (इनमें जो भी पहले हो) के भीतर वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग को भेजी जायें । “पक्के

आदेश” का अर्थ है कि वह क्रय आदेश जो भारतीय लाइसेंसधारी द्वारा विदेशी संभरक को दिया गया हो और उसके साथ बाद वाले से पुष्टि पत्र भी लगाया गया हो या वह क्रय आदेश जो भारतीय लाइसेंसधारी और विदेशी संभरक दोनों के द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित हो । यदि पक्के आदेश चार मास की निर्धारित अवधि के भीतर नहीं दिये जा सकते हों तो लाइसेंसधारी को जैसा भी मामला हो मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात (सी०पी०सी०आई०एन०) या अन्य लाइसेंस प्राधिकारी को आदेश देने में समय वृद्धि के लिये सुझाव भेजना चाहिए और उस सुझाव में उसे यह औचित्य भी देना चाहिये कि प्रारम्भिक वैधता अवधि के भीतर आदेश क्यों नहीं दिये जा सके । आदेश देने की अवधि में समय वृद्धि से सम्बद्ध ऐसे आवेदनों पर लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा प्रत्येक मामले में गुण दोष के आधार पर विचार किया जायेगा और वे अधिक से अधिक दो मास तक की और समय वृद्धि प्रदान कर सकते हैं । लेकिन यदि समय वृद्धि आयात लाइसेंसों के जारी होने की तारीख से 6 मास परे के लिये मांगी गई हो तो ऐसे आवेदन निरपवाद रूप से लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा आर्थिक कार्य विभाग (आई०ए० अनुभाग), वित्त मंत्रालय को भेजे जायेंगे । लाइसेंस कोड “एस०” और “ए०ए०” लाइसेंस सं० के बाद पहले और द्वितीय प्रत्य में संकेतित होने चाहियें । सही लाइसेंस कोड का प्रयोग सभी लदान दस्तावेजों और साथ ही साथ “एस०” प्रपत्र में किया जाना चाहिये जो रखा निक्षेप करने समय भारतीय बैंक को भेजने अपेक्षित हैं ।

2. केवल आस्ट्रियन मूल के पूंजीगत माल ही इस क्रेडिट के अन्तर्गत वित्तदान के लिये पात्र है ।

3. लाइसेंस भारत से प्रेषणों के लिये वैध नहीं होगा। आस्ट्रियन संभरकों को भुगतान नीचे की कड़िका 6 से 10 में निर्धारित क्रिप्टा-विधि के अनुसार ही किये जा सकते हैं।

4. भारतीय आयातक और आस्ट्रियन संभरक के बीच संभरण-संविदा में लाइसेंस शर्तों में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आस्ट्रियन पूंजीगत माल क्रेडिट 1979 में से आयातों के बिल्लवान के लिये व्यवस्था होनी चाहिये और यह भारत सरकार द्वारा अनुमोदन के भी अधीन होनी चाहिये। आयातकों को इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिये कि वे इस शर्त के द्वारे में संभरकों को सूचित कर दें और इस संबंध में संभरण संविदा में भी एक धारा जोड़ दें। इसके अलावा अनुमोदित प्रादेश वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (आई०ए० अनुभाग) की पूर्व अनुमति के बिना रद्द नहीं किये जाने चाहिये।

5. संविदा का मूल्य केवल आस्ट्रियन गिल्डिंग में ही व्यक्त किया जाना चाहिये। संविदा में सामान्यतः लदान वस्तावेजों को प्रस्तुत करने पर आस्ट्रियन पूंजीगत माल क्रेडिट 1979 में से नकद भुगतान के लिये व्यवस्था होनी चाहिये। किसी भी प्रयागत निष्पादन गारंटी के लिये संभरक को बैंक गारंटी प्रस्तुत करने के लिये कहा जा सकता है।

6. संविदा पूर्ण हो जाने के तुरन्त बाद आयातक को संविदा के अन्तर्गत आस्ट्रियन प्राधिकारियों का अनुमोदन प्राप्त करने के लिये वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, आई०ए० अनुभाग से अनुरोध करना चाहिए। इस आवेदन के साथ संविदा/संभरण प्रादेश की चार फोटोस्टेट/माफित प्रतियां और आयात लाइसेंस की एक फोटो स्टेट प्रति भेजी जानी चाहिये। संविदा/संभरण प्रादेश के साथ निम्नलिखित सूचना भी आर्थिक कार्य विभाग को भेजी जानी चाहिये।

- (1) आयात लाइसेंस के विस्तृत ग्यारे
 - (क) सं०
 - (ख) जारी करने की तारीख
 - (ग) मूल्य
- (2) आयातक का नाम और पता
- (3) आस्ट्रियन संभरक का नाम और पता
- (4) आस्ट्रियन गिल्डिंग में संविदा/आवेश का मूल्य
- (5) आयात किये जाने वाले माल का संक्षिप्त विवरण
- (6) संभरण की तारीख (संभरकों को भुगतान की राशि और संभावित तारीख को दर्शाते हुए एक अनुसूची भी भेजी जाये)
- (7) लदान वस्तावेज की विस्तृत सूची, जैसे अवनतरण बिल, बीजक, उद्गम प्रमाणपत्र आदि जिसकी मांग आस्ट्रियन राष्ट्रीय बैंक संभरकों से भुगतान करने से पूर्व करे और इस के साथ प्रत्येक वस्तावेज के लिये अपेक्षित प्रतियां
- (8) यदि कोई हो तो संविदा में शामिल किया गया भारतीय अधिकर्ता का कमीशन (धनराशि या प्रतिशत का संकेत किया जाना है) (आयातक द्वारा भारतीय अधिकर्ता का

कमीशन रुपये में किया जायेगा और उसे प्राधिकार पत्र के मूल्य में नहीं शामिल किया जायेगा)

- (9) राष्ट्रीयकृत बैंक की वह शाखा जिसको आस्ट्रियन राष्ट्रीय बैंक द्वारा मूल वस्तावेज (परकाम्य) भेजे जाने हैं
- (10) वह तारीख जिस तक आस्ट्रियन राष्ट्रीय बैंक के लिमे प्राधिकार पत्र वैध होना चाहिये
- (11) विशेष अनुदेश यदि कोई हों

7. उपर्युक्त कड़िका 6 में अंतर्गत संविदा/संभरण आवेदन को प्रतियां और जानकारी प्राप्त होने के बाद आर्थिक कार्य विभाग (आई०ए० अनुभाग) संविदा की एक प्रति आस्ट्रियन राष्ट्रीय बैंक, वेना को भेजेगा और इसके साथ लदान वस्तावेजों के सहे संभरकों के लिये भुगतान प्राधिकृत करते हुए एक प्राधिकार पत्र (अनुबंध-1) में दशमि प्रपत्र के रूप में) भी भेजेगा।

8. आस्ट्रियन राष्ट्रीय बैंक से लदान और अन्य दस्तावेजों की पावनी के 10 दिनों के भीतर आयातक का बैंक नीचे कड़िका 9 में यथा संकेतित सरकार के लेख में संभरकों को प्रदा की गई धनराशि के बराबर रुपये और इसके साथ विदेशी संभरकों को भुगतान की तारीख से वास्तविक तिथि की तारीख तक (दोनों दिनों को लेते हुए) सार्वजनिक सूचना सं० 46-आई० टी० सी० (पी०एन०)/76 दिनांक 16-8-1976 में यथा निर्धारित प्रथम 30 दिनों को प्रत्येक के लिये 9% की दर से और 30 दिनों से अधिक अवधि के लिये 15% की दर से जमा कराने की व्यवस्था करेगा। इस प्रयोजन के लिये आस्ट्रियन गिल्डिंग में किय गये भुगतान सार्वजनिक सूचना सं० 15-आई० टी० सी० (पी०एन०)/72 दिनांक 28-1-1972, सार्वजनिक सूचना सं० 108-आई० टी० सी० (पी०एन०)/72 दिनांक 21-7-1972 और सार्वजनिक सूचना सं० 8-आई० टी० सी० (पी०एन०)/76 दिनांक 17-1-76 में मिहित शर्तों के अनुसार रुपये में परिवर्तित करने होंगे। इस दर में कोई परिवर्तन होने पर उसे जब आवश्यक समझा जायेगा सार्वजनिक सूचना के माध्यम से अधिसूचित कर दिया जायेगा। इस बात का सुनिश्चय करने की आयातक की जिम्मेवारी होगी कि देय धनराशि पाठियों को आयात वस्तावेजों में सौंपने से पूर्व सरकार के लेख में सही रूप से जमा करवा दी जाती है। आयातक को इस बात का सुनिश्चय करना चाहिये कि अपने बैंक से वस्तावेजों की मुपदों लेने से पूर्व धनराशि सरकार के लेख में सही रूप से जमा करवा दी जाती है।

9. उपर्युक्त कड़िका 8 के अन्तर्गत आने वाले निक्षेप सार्वजनिक सूचना 233-आई० टी० सी० (पी०एन०)/68, दिनांक 24 अक्टूबर, 1968 और सार्वजनिक सूचना सं० 132-आई० टी० सी० (पी०एन०)/71, दिनांक 5 अक्टूबर, 1971 में यथा निर्धारित सरकार के लेख में क्रेडिट के लिए नकद में या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, सीम हजारी, दिल्ली में किए जा सकते हैं या ये निक्षेप भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी, दिल्ली-6 के अधिकर्ता के नाम में दर्शनी छुण्डी के माध्यम से किए जा सकते हैं। जिस लेखा शीर्ष के अधीन निक्षेप किया जाएगा वह इस प्रकार है "के० डिपोजिट्स एण्ड एक्सासेम (ख) डिपोजिट नाट बैरिंग इन्स्ट्रुमेंट्स-843 मिविल डिपोजिट्स-डिपोजिट्स फार पर्सेजिस एक्सेट्रा ब्राड पर्सेजिस अन्डर आस्ट्रियन कैपिटल गुड्स क्रेडिट 1978"।

राजकोष चालान में निम्नलिखित ग्यारे निरपवाद रूप से भरने चाहिये (सार्वजनिक सूचना सं० 74-आई० टी० सी० (पी०एन०)/74, दिनांक 31-5-1974 भी देखें जिसमें परिपोषित चालान प्रपत्र निर्धारित किया गया है जो निरपवाद रूप से ऐसे प्रेषणों के लिए उपयोग में लाना चाहिये)।

- (क) वित्त मंत्रालय के प्राधिकार पत्र की सं० तथा दिनांक आस्ट्रियन पूंजीगत माल क्रेडिट, 1979 ।
- (ख) विदेशी मुद्रा की वह धनराशि जिसके संबंध में अपनाई गई परिवर्तन की दर के साथ रुपया निक्षेप किए जाने हैं।
- (ग) विदेशी संभरकों को भुगतान की तारीख।
- (घ) अदा की गई धनराशि का व्याज और उसकी गणना किस अवधि तक की गई है।
- (ङ) निक्षेप की गई कुल धनराशि (व्याज की गणना संभरकों को भुगतान करने की तिथि से सरकार के लेखे में समतुल्य रुपया जमा कराने तक की अवधि) (दोनों दिनों को लेते हुए) के लिए की जानी है।

10. भारतीय रिजर्व बैंक से या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी दिल्ली से चालान की एक प्रति या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी के पास दर्शनी हुंडी (डिमाण्ड ड्राफ्ट) जमा करने के बारे में सूचना आयातक के बैंक द्वारा सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय जीवन द्वीप बिल्डिंग, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001 को भेजी जानी चाहिए और इसके साथ एक अप्रेषण पत्र भी भेजा जाना चाहिए जिसमें आस्ट्रियन राष्ट्रीय बैंक से प्राप्त परामर्श टिप्पणियों के पूर्ण व्योरे दर्शाए जाएं।

11. आयातकों के लिए यह अनिवार्य होगा कि वे अपेक्षित रुपया निक्षेप केवल प्राधिकृत व्यापारियों के माध्यम से ही करें और सार्वजनिक सूचना सं० 184 आई टी सी (पीएन)/68, दिनांक 30 अगस्त, 1968 में यथा आवश्यक लाइसेंस की मुद्रा विनियम प्रति पर उससे पृष्ठांकन भी करा लें। उन्हें यह भी चाहिए कि वे भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा यथा निर्धारित अपेक्षित "एस" प्रपत्र को भरें।

12. इसे भली भांति से जान लेना चाहिए कि यदि लाइसेंसधारी और संभरक के बीच में किसी प्रकार का झगड़ा हो जाता है तो भारत की सरकार इसके लिए जिम्मेदार नहीं ठहराई जाएगी।

13. आयात लाइसेंस या उसके संबंध में उठ खड़े होने वाले किसी मामले या सभी मामलों से संबंधित आस्ट्रियन पूंजीगत माल क्रेडिट 1979 के अधीन सभी आचारों को पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गये निदेशों या अनुदेशों या आदेशों का लाइसेंसधारी को तुरन्त पालन करना होगा। आयातक अनुबन्ध-3 के अनुसार एक तिमाही रिपोर्ट भी (अनुबन्ध-2 के अनुसार दो प्रतियों में) वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग (आई-ए अनुभाग) और सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, जीवन द्वीप बिल्डिंग, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली को भेजेगी।

14. उपर्युक्त खण्डों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्रवाई की जाएगी।

अनुबन्ध-1
मिसिल सं०
भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)
नई दिल्ली, दिनांक:

प्रबन्धक,
आस्ट्रियन नेशनल बैंक,
आंटो वागनर प्लेटज 3,
बियना-IX (आस्ट्रिया)
प्रिय श्री,

आस्ट्रियन पूंजीगत माल क्रेडिट 1979—प्राधिकार पत्र सं० :

हमें के मद्दे
आस्ट्रियन शिलिंग के लिए सर्वश्री द्वारा सर्वश्री

.....को दिए गए आदेश सं० दिनांक.....
.....के संबंध की ओर आपका ध्यान दिलाना है। हम
एतद्वारा आपको संलग्न विवरण में निर्धारित नियम एवं शर्तों के अनुसार
सर्वश्रीको
आस्ट्रियन शिलिंग (..... आस्ट्रियन शिलिंग)
तक की धनराशि का भुगतान करने के लिए प्राधिकृत करते हैं। अनुरोध है
कि सर्वश्री
द्वारा प्रस्तुत किए गए बीजक, लदान संबंधी और अन्य दस्तावेज सौधे ही
..... (बैंक) को भेजे जाएं।

2. उपर्युक्त पैरा 1 में दर्शाई गई धनराशि भारत सरकार और
आस्ट्रियन संघीय सरकार के बीच दिनांक 1 फरवरी, 1980 को हुए समझौते
के अनुच्छेद 2 और 3 में निर्धारित नियम एवं शर्तों के अनुसार भारत
सरकार द्वारा चुकाई जाएगी।

3. कृपया इस साख पत्र के मद्दे किए गए भुगतानों के व्योरे भारत सरकार,
वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक
के कार्यालय, नई दिल्ली को भेजे जाएं और उसे लदान और अन्य निर्धारित
दस्तावेजों की एक प्रति के साथ नामे डालने के लिए सूचना भी भेजी जानी
चाहिए।

4. यह प्राधिकार पत्र दिनांक मास 198
तक वैध रहेगा।

भवदीय,

जानकारी के लिए प्रति निम्नलिखित को प्रेषित :—

1. (बैंक)
उन्हें यह सुनिश्चय करना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं० 15-आई टी
सी (पी एन)/72 दिनांक 28 जनवरी, 1972, सार्वजनिक सूचना सं० 108-
आई टी सी (पी एन)/72 दिनांक 21 जुलाई, 1972 सार्वजनिक सूचना सं०
8-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 17-1-1976 और समय-समय पर जारी
की जाने वाली ऐसी ही अन्य सार्वजनिक सूचना में निहित मिश्रित दर पर
गणना किए गए रुपए की समतुल्य धनराशि और उसके साथ उस पर संभरक
को भुगतान करने की तिथि से सरकारी लेखे में धनराशि जमा करने की तिथि
तक के लिए सार्वजनिक सूचना सं० 46-आई टी सी (पी एन)/76,
दिनांक 16-6-1976 में दी गई दर पर व्याज आयातक को मूल दस्तावेज
रिहा करने से पूर्व जमा करा दी गई है।

2.

3.

4.

“आस्ट्रियन पूंजीगत माल साख 1979” समझौता दिनांक 1 फरवरी, 1980
के अन्तर्गत आस्ट्रियन नेशनल बैंक, बियना को वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य
विभाग, नई दिल्ली द्वारा जारी किए गए प्राधिकार पत्र सं०
के अन्तर्गत भुगतानों के लिए शर्तें :—

.....का आदेश
.....के नाम में
की धनराशि

निम्नलिखित दस्तावेजों के प्रस्तुतीकरण के मद्दे देय हैं :—

.....का पोतलदान पूरा करने के
लिए

मूल्य :

विवरण की शर्त : (उदाहरणार्थ जहाज पर्यन्त निःशुल्क, लागत एवं भाड़ा, लागत-
बीमा-भाड़ा)

वितरण के लिए समय :

आंशिक पोतलदानों की अनुमति/निषेध है।

विशेष अनुदेश :

(उदाहरण के लिए बीजक की धनराशि का 100% एकदम भुगतान नहीं किया जाना है)

अनुबन्ध-2

आस्ट्रियन पूंजीगत माल साख 1979 के संबंध में उपयोग रिपोर्ट का प्रपत्र (प्रत्येक लाइसेंस के संबंध में अलग-अलग भेजा जाना है)

1. आयातक का नाम
2. आयात लाइसेंस की संख्या एवं विभांक
3. आयात लाइसेंस का मूल्य
4. दिए गए आवेशों का मूल्य
5. अभी दिए जाने वाले आवेशों का मूल्य
6. पहले ही दिए गए आवेशों के मद्दे किया गया भुगतान
7. अभी किए जाने वाले भुगतान (मूल्य एवं भुगतान की संभावित तिथि के साथ भुगतानों के तिमाही अनुमान के साथ)
8. अभ्यर्पण, यदि कोई हो

आयातक के प्राधिकृती अधिकारी के हस्ताक्षर

अनुबन्ध-3

आस्ट्रियन पूंजीगत माल साख 1979 के अन्तर्गत उपयोग की तिमाही रिपोर्ट को वधानि वाला विवरण

1. आयातक का नाम
2. आयात लाइसेंस की संख्या एवं दिनांक
3. आयात लाइसेंस का मूल्य
4. प्राधिकार पत्र की संख्या एवं दिनांक
5. प्राधिकार पत्र की धनराशि
6. प्राधिकार पत्र की वैधता की तिथि
7. दिए गए आवेशों का मूल्य
8. तिमाही के दौरान उपयोग में लायी गई धनराशि
9. उपयोग में लाई गई कुल धनराशि
10. सरकारी लेख में जमा की गई कुल धनराशि
11. बाब वाली तिमाही के दौरान किए जाने वाले भुगतान (तिमाही बार आंकड़े दें)
12. अभ्यर्पण, यदि कोई हो

आस्ट्रियन शिलिंग

आस्ट्रियन शिलिंग

रुपय

अनुबन्ध-4

गारंटी बाण्ड

(आस्ट्रियन पूंजीगत माल साख 1979 के अन्तर्गत माल आयात करने की प्रक्रिया के अंशिक बैंक द्वारा भेजा जाना है।)

केषा में,

भारत के राष्ट्रपति,

भारत के राष्ट्रपति (इसके बाव जिसे "सरकार" कहा गया है) के लिए आस्ट्रियन साख, 1979 की शर्तों के अन्तर्गत और उपर्युक्त समझौते के मद्दे आयातक के नाम में को जारी किए गए आयात लाइसेंस सं० के अनुसरण में द्वारा (इसके बाव जिसे "आयातक"

कहा गया है) के आयात के लिए आस्ट्रियन शिलिंग में भुगतान की व्यवस्था करने के लिए सहमत होने पर हम, बैंक आयातक के अनुरोध पर आस्ट्रियन राष्ट्रीय बैंक द्वारा किए गए भुगतानों और उस बैंक की भुगतान किए जाने योग्य कमीशन और डाक खर्च की धनराशि को मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात की मार्बेजिनिक सूचना सं०-1 आई टी सी (पी एन)/76 दिनांक 17-1-76 में जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार या इस मामले में सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित अनुदेशों के अनुसार परिकल्पित प्रचलित मिश्रित मुद्रा विनिमय की दर पर सरकार के लेख में जमा करने के लिए सूचना प्राप्त की तारीख से 10 दिनों के भीतर विधि के अनुसार और भारत सरकार द्वारा संकेतित उचित लेखा शीथों के मद्दे उक्त क्रेडिट के अन्तर्गत जमा करने की व्यवस्था करने के लिए बचन देते हैं और हम यह भी बचन देते हैं कि सार्वजनिक सूचना सं०-48 आई टी सी (पी एन)/76 दिनांक 18-6-76 में निर्धारित दरों पर अर्थात् पहले 30 दिनों के लिए 9% की दर पर और विदेशी संभरक की भुगतान किए जाने की वास्तविक तारीख (इसमें दोनों तारीख शामिल हैं) से अधिक दिनों के लिए 15% की दर पर ब्याज जमा करेंगे।

2. हम (बैंक) यह भी बचन देते हैं कि आयातक द्वारा सरकार को समय-समय पर चुकाए जाने योग्य किसी भी प्रकार की बाकी रहूँ धनराशि को चुकाए जाने में बाकीदारी पाये जाने पर सरकार समय-समय पर ऐसी धनराशि जो रुपए से ज्यादा नहीं है या उसका कोई भी अंश जो कुछ समय के बाकी रहा है और उसका आयातक द्वारा भुगतान किया जाना है, उसको जमा करने के लिए सरकार समय-समय पर जिस स्थान पर और जिस तरीके से जमा करने के लिए अनुदेश, दे तो हम सरकार को उसकी क्षति नहीं होने देने और उसे क्षति पूर्ति से तुर रखेंगे। तथा हम इसके साथ सरकार के खाते में समतुल्य रुपए वास्तव में जमा करने की निधि से संभरक को किए गए भुगतान की तिथि तक के लिए अर्जित प्रथम 30 दिनों के लिए 9 रुपए प्रति सैकड़ वार्षिक की दर से और इससे अधिक दिनों के लिए 15 रुपए प्रति सैकड़ वार्षिक की दर से उस पर ब्याज भी जमा करेंगे। आयातक द्वारा उल्लिखित भुगतान करने में किसी प्रकार की देर होने पर अथवा उसकी ओर से और सरकार की भुगतान किए जाने योग्य राशि के सम्बन्ध में जो राशि हमारे बैंक द्वारा दी जाती है, उस सम्बन्ध में सरकार द्वारा लिया गया निर्णय हमारे ऊपर अन्तिम और अनिवार्य होगा।

3. हम बैंक आगे इस बात पर सहमत होते हैं कि संविदा के अन्तर्गत मिली जुली दर में परिवर्तन होने पर आयात के मूल्य में वृद्धि होने से या अघूरे माल छुड़ाने की स्थिति में उसका मूल्य बढ़ जाने की स्थिति में जब से परिवर्तन हुआ है, उस परिवर्तन के अनुपात में बैंक वारंटी बाण्ड की धनराशि को समायोजित कर लिया जाएगा।

4. हम बैंक आगे इस बात पर सहमत है कि इस गारंटी में जो कुछ निहित है, वे उल्लिखित करार/संविदा के निष्पादन होने तक पूरी शक्ति और प्रभाव के साथ लागू होने और उसे तक कार्यान्वित रखा जाएगा जब तक सरकार के अन्तर्गत या इस गारंटी में आने वाला सारा बकाया देय पूर्ण रूपेण चुकता न कर दिया गया हो और उसकी मांग पूरा न हो गई हो या उन्मुक्त न हो गई हो।

5. इसमें उल्लिखित गारंटी पर आयातक या दि बैंक के संविधान में किसी प्रकार का परिवर्तन होने से प्रभाव नहीं पड़ेगा और सरकार की यह पूर्ण स्वतन्त्रता होगी कि गारंटी को प्रभावित किए बिना आयातक और दि बैंक पर लागू होने योग्य किसी भी शक्ति को किसी समय या समय-समय के लिए स्थगित करे या किसी भी धनराशि के भुग-

तान के लिए, आयातक को बाध्य कर सकती है और उपर्युक्त मामले के संदर्भ में या किसी कारणवश थोड़े समय के लिए आयात की या किसी अन्य स्थान जो दिया गया हो, इस गारंटी के अन्तर्गत सरकार द्वारा किसी प्रकार की स्वतंत्रता बरती जाने पर यह अपनी जिम्मेदारी से उन्मुक्त नहीं होगी, लेकिन इस व्यवस्था के लिए नियम या सरकार की ओर से दी गई छूट या आयातक पर किए गए किसी तरह से अनुग्रह हो या और कोई मामला या बात, चाहे जो भी हो, जो जमानतों से सम्बन्धित हो..... बैंक पर इस प्रकार की जिम्मेदारियों के लिए उपर कथित उन्मुक्ति का प्रभाव नहीं पड़ेगा।

6. हम..... बैंक यह भार लेते हैं कि सरकार द्वारा लिखित में परामर्श पाए बिना, भुद्रा माल में इसकी गारंटी को रद्द नहीं करेंगे।

7. हम..... बैंक एनड्वारा मार्चजनिफ सूचना सं०-15-आई टी सी (पी एन)/72 दिनांक 28-2-72 और 108-आई टी सी (पी एन)/72, दिनांक 21-7-72 और 8-आई टी सी (पी एन)/76 दिनांक 17-1-76 और इसके बाद समय-समय पर जारी होने वाली ऐसी ही अन्य मार्चजनिफ सूचनाओं की अंतर्गत के अनुसार अनिवार्य धनराशि जमा करने का बचन देते हैं।

8. इस पोस्टल गारंटी के अन्तर्गत..... रूपए (इसमें ब्याज तथा कमीशन और अन्य प्रभार भी शामिल हैं, यदि कोई है तो इस गारंटी की धनराशि के 1 प्रतिशत से ज्यादा होने की उम्मीद नहीं की जाती) तक हमारी जिम्मेदारी सीमित है और यह गारंटी..... दिन..... मास.....

19..... तक, जब तक इसकी तारीख से छः मास के भीतर लिखित रूप से इस गारंटी के अन्तर्गत मांगे पूरी नहीं कर ली जाती, इसे लागू रखा जाएगा और जब तक उसके बाद दूसरे छः मास के भीतर प्रस्ताव..... तक उनकी भागों के लिए मुकद्दमा या कार्ट-बाई लागू न हो जाए, हम गारंटी के अन्तर्गत सरकार सभी अधिकारों से वंचित हो जाएगी और हम लोग इसके अन्दर निहित जिम्मेदारियों से मुक्त और उन्मुक्त कर दिए जाएंगे।

..... दिनांक
वास्तो..... श्री
(बैंक लि०)

के द्वारा (नाम और मोहता) भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से स्वीकृत।

हस्ताक्षर.....

*जिस तारीख की संभरकों की सभी भुगतान पूरा करने की आज्ञा हो उसमें एक मास जोड़ कर यह तारीख मानी जाएगी।

टिप्पणी :—(1) स्टाम्प पेपर का मूल्य जिसमें यह गारंटी कार्यान्वित होने वाली है, इसके मूल्य को भारतीय स्टाम्प अधिनियम की धारा 31 के अनुसार स्टाम्प कलक्टर के द्वारा ब्याज निर्णित किया जाता है।

अनुबन्ध-5

प्रथम

- जिस आयातक/लाइसेंसधारी की ओर से बैंक गारंटी भेजी गई थी उसका नाम और पूरा पता।
- आयात लाइसेंस की संख्या और दिनांक एवं मूल्य।
- भेजी गई गारंटी की संख्या, दिनांक एवं धनराशि।

4. वित्त मंत्रालय से प्राप्त प्राधिकारपत्र के ब्यौरे :—

- (क) प्राधिकारपत्र की संख्या एवं दिनांक
- (ख) प्राधिकार पत्र की धनराशि (भारतियन शिलिंग में)

5. प्रभावी किए आयातों एवं जमा किए गए रुपयों के ब्यौरे :—

- (क) संभरक का नाम
- (ख) उपर्युक्त (क) में उल्लिखित संभरक को चुकाई गयी वास्तविक धनराशि (भारतियन शिलिंग में)
- (ग) भारतियन नेशनल बैंक द्वारा संभरक को किए गए भुगतान की तारीख।
- (घ) जमा किए गए रुपए की धनराशि :—

- (1) संभरक को चुकाई गई भारतियन शिलिंग में सम-तुल्य रूप @भारतियन शिलिंग = रूपए
- (2) चुकाया गया ब्याज
- (3) जिस अवधि तक ब्याज परिकलित किया गया है..... से..... तक
- (4) कुल किया गया जमा।
- (5) जमा करने का दिनांक और स्थान।
- (6) राजकोष बालान की संख्या एवं दिनांक (इसे संलग्न किया जाता है) यदि राजकोष बालान पहले ही भेज दिया गया है तो उसकी संख्या एवं दिनांक का संवर्ध उद्धृत किया जाए।
- (7) यदि उपर्युक्त (घ)(4) में लिखित रुपया डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से जमा किया गया था तो ड्राफ्ट की संख्या दिनांक और धनराशि और आपके जिस पत्र के साथ यह महालेखापाल, केन्द्रीय राजस्व को भेजा गया था उसके ब्यौरे का उल्लेख किया जाए।

6. प्रत्येक प्राधिकार पत्र के मद्दे प्रयुक्त एवं अप्रयुक्त शेष धनराशि (भारतियन शिलिंग में)।

7. इस सम्बन्ध में एक प्रमाणपत्र कि उपर्युक्त कड़िका-6 में संकेतित शेष धनराशि का उपयोग नहीं किया गया है और इसके लिए कोई पोतलदान नहीं किया गया है तथा उसे समाप्त हुआ समझा जाए।
(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

परिशिष्ट-II

भारतियन पूंजीगत माल क्रेडिट 1979 के अन्तर्गत निजी क्षेत्र आयातों के लिए लाइसेंस जारी करने के लिए तर्त

1. लाइसेंस 12 मास की प्रारम्भिक वैधता अवधि के लिए जारी किए जाएंगे किन्तु भारतियन संभरकों को पक्के आदेश लागत-बीमा-भाड़ा/लागत तथा भाड़ा आधार पर दिये जाने चाहिये और इनकी प्रतियां आयात लाइसेंस जारी करने की तारीख से चार मास की अवधि के भीतर वित्त मंत्रालय, प्राधिकार्य विभाग को भेजी जाएं। "पक्के आदेश" का अर्थ है वह क्रय आदेश जो भारतीय लाइसेंसधारी द्वारा विदेशी संभरक को दिया गया हो और उसके साथ बाब बांसे से पुष्टि पत्र भी लगाया गया हो या वह क्रय आदेश जो भारतीय लाइसेंसधारी और विदेशी संभरक दोनों के द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित हो। यदि पक्के आदेश चार मास की निर्धारित अवधि के भीतर नहीं दिए जा सकते हैं तो लाइसेंसधारी को जैसा भी मामला हो मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात (सी० सी० आई० एण्ड ई०) या अन्य लाइसेंस प्राधिकारी को आदेश देने में समय बर्बाद के लिए सुझाव भेजना चाहिए और उस सुझाव में उसे यह प्रीविल्य ' देना चाहिए कि प्रारम्भिक वैधता अवधि के भीतर आदेश क्यों नहीं जा सके। आदेश देने की अवधि में समय बर्बाद से सम्बद्ध आदेशनों

लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा प्रत्येक मामले में गुण-बोध के आधार पर विचार किया जाएगा और वे अधिक से अधिक दो मास तक की और समय वृद्धि प्रदान कर सकते हैं। लेकिन यदि समय वृद्धि आयात लाइसेंस के जारी होने की तारीख से 6 मास परे के लिए मांगी गई हो तो ऐसे आवेदन निरपवाद रूप से लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा आर्थिक कार्य विभाग (आर्थिक अनुभाग) विमान मंत्रालय को भेजे जाएंगे। लाइसेंस काड "एस" और "एए" लाइसेंस स० के बाद पहले और द्वितीय प्रत्य में संकेतित होने चाहिए। सही लाइसेंस कोड का प्रयोग सभी लदान दस्तावेजों और साथ ही साथ "एस" प्रपत्र में किया जाना चाहिए जो रुपया निक्षेप करते समय भारतीय बैंक को भेजने अपेक्षित हैं।

2. केवल आस्ट्रियन रुप के पूंजीगत माल ही इस क्रेडिट के अन्तर्गत वित्तदान के लिए पात्र है।

3. लाइसेंस भारत से प्रेषणों के लिए वैध नहीं होगा। आस्ट्रियन संभरणों की भुगतान नीचे की कड़िका 6 से 10 में निर्धारित क्रियाविधि के अनुसार ही किए जा सकते हैं।

4. भारतीय आयातक और आस्ट्रियन संभरण के बीच संभरण-संवैवा में लाइसेंस शर्तों में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आस्ट्रियन पूंजीगत माल क्रेडिट 1979 में से आयातों के वित्तदान के लिए व्यवस्था होनी चाहिए और यह भारत सरकार द्वारा अनुमोदन के भी अधीन होनी चाहिए। आयातकों को इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि वे इस शर्त के बारे में संभरणों को सूचित कर दें और इस संबंध में संभरण संविदा में भी एक धारा जोड़ दें। इसके अलावा अनुमोदित आवेदन वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (आई०ए० अनुभाग) की पूर्ण अनुमति के बिना रह नहीं किए जाने चाहिए।

5. संविदा का मूल्य केवल आस्ट्रियन शिलिंग में ही व्यक्त किया जाना चाहिए। संविदा में सामान्यतः लदान दस्तावेजों को प्रस्तुत करने पर आस्ट्रियन पूंजीगत माल क्रेडिट 1979 में से नकद भुगतान के लिए व्यवस्था होनी चाहिए। किसी भी प्रयागत निष्पादन गारन्टी के लिए संभरण को बैंक गारन्टी प्रस्तुत करने के लिए कहा जा सकता है।

6. संविदा पूर्ण हो जाने के तुरन्त बाद आयातक को संविदा के लिए आस्ट्रियन अधिकारियों का अनुमोदन प्राप्त करने के लिए वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, आई०ए० अनुभाग से अनुरोध करना चाहिए। इस आवेदन के साथ संविदा/संभरण आवेदन की चार फोटो स्टेट/प्रमाणित प्रतियां और आयात लाइसेंस की एक फोटो स्टेट प्रति और अनुमोदित अनुसूचित बैंक से संलग्न प्रपत्र (अनुबन्ध-4) में एक बैंक गारन्टी जिसमें नीचे कड़िका 8 में विनिर्दिष्ट धनराशि को जमा करने की सहमति हो भेजी जानी चाहिए। बैंक गारन्टी में बाव टिप्पणी का सबूत से अनुपालन करने के लिए उसे भली-भांति नोट कर लेना चाहिए। संविदा/संभरण आवेदन के साथ निम्नलिखित सूचना भी आर्थिक कार्य विभाग को भेजी जानी चाहिए।

(1) आयात लाइसेंस के विस्तृत ब्लोरे

(क) स०—

(ख) जारी करने की तारीख—

(ग) मूल्य—

(2) आयातक का नाम और पता—

(3) आस्ट्रियन संभरण का नाम और पता—

(4) आस्ट्रियन शिलिंग में संविदा/आवेदन का मूल्य—

(5) आयात किए जाने वाले माल का संक्षिप्त विवरण—

(6) संभरण की तारीख (संभरणों की भुगतान की राशि और संभावित तारीख को दर्शाते हुए एक अनुसूची भी भेजी जाए)

(7) लदान दस्तावेज की विस्तृत सूची, जैसे अवतरण बिल, बीजक, उद्गम प्रमाण पत्र आदि जिसकी मांग आस्ट्रियन राष्ट्रीय बैंक संभरणों से भुगतान करने से पूर्व करे और इसके साथ-साथ प्रत्येक दस्तावेज के लिए अपेक्षित प्रतियां—

(8) यदि कोई हो तो संविदा में शामिल किया गया भारतीय अधिकर्ता का कमीशन (धनराशि या प्रतिशत का संकेत किया जाना है) (आयातक द्वारा भारतीय अधिकर्ता का कमीशन रुप में किया जाएगा और उसे प्राधिकार पत्र के मूल्य में नहीं शामिल किया जाएगा)

(9) भारत में आयातक के बैंक का नाम—

(10) विशेष अनुदेश यदि कोई हो—

7. उपर्युक्त कड़िका 6 में अपेक्षित संविदा संभरण आवेदन की प्रतियां और जानकारी प्राप्त होने के बाद आर्थिक कार्य विभाग संविदा की एक प्रति आस्ट्रियन राष्ट्रीय बैंक, वियना को भेजेगा और इसके साथ लदान दस्तावेजों के मद्दे संभरणों के लिए भुगतान प्राधिकृत करते हुए एक प्राधिकार (अनुबन्ध 1 में दर्शाए गए प्रपत्र के रूप में) भी भेजेगा।

8. आस्ट्रियन राष्ट्रीय बैंक से लदान और अन्य दस्तावेजों की पावती के 10 दिनों के भीतर आयातक का बैंक नीचे कड़िका 9 में यथा संकेतित सरकार के लेखों में संभरणों को अदा की गई धनराशि के बराबर रुपए और इसके साथ विदेशी संभरणों को भुगतान की तारीख से वास्तविक निक्षेप की तारीख तक (दोनों दिनों को लेते हुए) सार्वजनिक सूचना स० 46-आईटीसी (पीएन)/76 दिनांक 16-6-1976 में यथा निर्धारित प्रथम 30 दिनों की अवधि के लिए 9% की दर से और 30 दिनों से अधिक अवधि के लिए 15% की दर से भाज को जमा कराने की व्यवस्था करेगा। इस प्रयोजन के लिए आस्ट्रियन शिलिंग में किए गए भुगतान सार्वजनिक सूचना स० 15-आईटीसी (पीएन)/72 दिनांक 28-1-1972 और सार्वजनिक सूचना स० 108-आईटीसी (पीएन)/72 दिनांक 21-7-1972 और सार्वजनिक सूचना स० 8-आईटीसी (पीएन)/76 दिनांक 17-1-1976 में निहित शर्तों के अनुसार रुपए में परिवर्तित करने होंगे। इस दर में कोई परिवर्तन होने पर उसे जब आवश्यक समझा जाएगा सार्वजनिक सूचना के माध्यम से अधिसूचित कर दिया जाएगा। आयातक को चाहिए कि वह धनराशि को जमा करने के लिए सहमत होते हुए अनुबन्ध-4 में दर्शाए गए प्रपत्र में अनुमोदित अनुसूचित बैंक से एक बैंक गारन्टी भेजे। बैंक गारन्टी की धनराशि की गणना करने के लिए अपनाई जाने वाली विनियम की दर वही होगी जो आयात लाइसेंस पर संकेतित होगी। बैंक गारन्टी में पाव टिप्पणी का सबूत से अनुपालन करने के लिए उसे भली भांति नोट कर लेना चाहिए। इस बात का सुनिश्चय करने की आयातक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि पार्टियों को आयात दस्तावेज सौंपने से पूर्व सरकार के लेखों में सही रूप से जमा करवा दी जाती है। आयातक को इस बात का भी सुनिश्चय करना चाहिए कि अपने बैंक से दस्तावेजों की सुपूर्दगी लेने से पूर्व धनराशि सरकार के लेखों में सही रूप से जमा करवा दी जाती है।

9. उपर्युक्त कड़िका 8 के अन्तर्गत आने वाले निक्षेप सार्वजनिक सूचना 233-आईटीसी (पीएन)/68 दिनांक 24 अक्टूबर 1968 और सार्वजनिक सूचना स० 132-आईटीसी (पीएन)/71 दिनांक 5 अक्टूबर 1971 में यथा निर्धारित सरकार के लेख में क्रेडिट के लिए नकद में या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी, दिल्ली में किए जा सकते हैं या वे निक्षेप भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी, दिल्ली-6 के अधिकर्ता के नाम में दर्शनी हुन्डी के माध्यम से किए जा सकते हैं। जिस लेखा शीर्ष के अधीन निक्षेप किया जाएगा वह स

प्रकार है "के-डिपोजिटर्स गैड एडवन्समें (ख) डिपोजिट नाट बियरिंग इन्ट्रेस्ट-843 सिविल डिपोजिटर्स—डिपोजिटर्स फार परसेजिज एन्सोट्रा प्रक्राइड-परसेजिज ग्रन्डर आस्ट्रियन कैपिटल गुड्स क्रेडिट, 1979"।

राजकोष चालान में निम्नलिखित ब्योरे निरूपण रूप से भरने चाहिए [सार्वजनिक सूचना सं 74-आईटीसी (पीएन)/74 दिनांक 31-5-1974 भी देखें जिसमें परिशोधित चालान प्रपत्र निर्धारित किया गया है जो निरूपण रूप से ऐसे प्रेषणों के लिए उपयोग में लाना चाहिए]।

- (क) वित्त मंत्रालय के प्राधिकार पत्र की सं० तथा दिनांक—आस्ट्रियन पूंजीगत माल क्रेडिट, 1979।
- (ख) विदेशी मुद्रा की वह धनराशि जिसके संबंध में अपनाई, गई परिवर्तन की दर के साथ रुपया निक्षेप किए जाने हैं।
- (ग) विदेशी संभरकों को भुगतान की तारीख
- (घ) भ्रष्टा की गई धनराशि का ब्याज और उसकी गणना किस अवधि तक की गई है।

(ङ) निक्षेप की गई कुल धनराशि [ब्याज की गणना संभरकों को भुगतान करने की तारीख से सरकार के लेखों में समतुल्य रुपया जमा कराने तक की अवधि (दोनों को लेते हुए) के लिए की जानी है।]

10. भारतीय रिजर्व बैंक से या भारतीय स्टेट बैंक टीम हजारी दिल्ली से चालान की एक प्रति या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी के पास बंशीनी हुन्डी (डिमांड ड्राफ्ट) जमा करने के बारे में सूचना आयातक के उस बैंक के द्वारा सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षक नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, जीवन द्वीप बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001 को भेजी जानी चाहिए जिसने बैंक गारंटी जारी की थी और इसके साथ एक भ्रष्टेण पत्र भी भेजा जाना चाहिए जिसमें आस्ट्रियन राष्ट्रीय बैंक से प्राप्त परामर्श टिप्पणियों के पूर्ण ब्योरे दर्शाए जाएं।

11. आयातकों के लिए यह अनिवार्य होगा कि वे अपेक्षित रुपया निक्षेप केवल प्राधिकृत व्यापारियों के माध्यम से ही करें और सार्वजनिक सूचना सं 184-आईटीसी (पीएन) 68 दिनांक 30 अगस्त, 1968 में यथा आवश्यक लाइसेंस की मुद्रा विनियम प्रति पर उनसे पृष्ठांकन भी करा ले। उन्हें यह भी चाहिए कि वे भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा यथा निर्धारित अपेक्षित "एक्स" प्रपत्र को भरें।

12. लाइसेंस के अन्तर्गत आयात पूर्ण हो जाने के बाद और आयातक के बैंकसे द्वारा सरकार के लेखों में सभी वेध धनराशि जमा कराने के बाद प्राप्त आयातों से और जमा किए गए रुपए के ब्योरे अनुबंध-5 में निर्धारित प्रपत्र में सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग नई दिल्ली-110001 को भेजे जाने चाहिए जिससे कि जहां आवश्यक हो वित्त मंत्रालय आयातकों द्वारा भेजी गई बैंक गारंटियों का स्थापन कर सके और उन्हें रिहा करने के लिए व्यवस्था कर सके। आयातकों का यह भी उत्तरदायित्व होगा कि वे अनुबंध-3 में दर्शाए गए प्रपत्र में एक तिसाही उपयोग रिपोर्ट वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, आई०ए० अनुभाग और सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली-110001 को भेजें।

13. इसे धनी भांति से जान लेना चाहिए कि यदि लाइसेंसधारी और संभरक के बीच में किसी प्रकार झगड़ा हो जाता है तो भारत की सरकार इसके लिए जिम्मेदार नहीं ठहलाई जाएगी।

14. आयात लाइसेंस या उसके संबंध में उठ खड़े होने वाले किसी मामले या सभी मामलों से संबंधित आस्ट्रियन पूंजीगत माल क्रेडिट 1979 के अधीन सभी आयातों को पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए विदेशों या अनुदधों या आदेशों का लाइसेंसधारी को पुराने पालन करना होगा। आयात अनुबंध-3 के अनुसार एक तिसाही रिपोर्ट भी (दो प्रतियों में) वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (आई०

अनुभाग) और सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, जीवन द्वीप बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001 को भेजेगा।

15. उपर्युक्त खंडों में निर्धारित की गई शर्तों के प्रतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-निषेध (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्रवाई की जाएगी।

अनुबंध—1

मिलित सं०

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक :

प्रबंधक,
आस्ट्रियन नेशनल बैंक,
आर्टो बागतर प्लेटज 3,
वियना-IX (आस्ट्रिया)

प्रिय श्री,

आस्ट्रियन पूंजीगत माल क्रेडिट 1979-प्राधिकार पत्र सं०

इमें..... के मद्दे.....
.....आस्ट्रियन शिलिंग के लिए सर्वश्री.....
द्वारा सर्वश्री.....को दिए गए आदेश सं०.....
..... दिनांक.....के संदर्भ की ओर आपका ध्यान दिनांक है। हम एनएडआर आवेक संलग्न विवरण में निर्धारित नियम एवं शर्तों के अनुसार सर्वश्री.....को.....
.....आस्ट्रियन शिलिंग (.....आस्ट्रियन शिलिंग) तक की धनराशि का भुगतान करने के लिए प्राधिकृत करने हैं। अनुरोध है कि सर्वश्री.....द्वारा प्रस्तुत किए गए बीजक, लघान संबंधी और अन्य दस्तावेज सौदे ही.....(बैंक) को भेजे जाएं।

2. उपर्युक्त पैरा 1 में दर्शाई गई धनराशि, भारत सरकार और आस्ट्रियन संघीय सरकार के बीच दिनांक 1 फरवरी, 1980 को हुए समझौते के अनुच्छेद 2 और 3 में निर्धारित नियम एवं शर्तों के अनुसार भारत सरकार द्वारा चुकाई जाएगी।

3. कृपया इस सत्यपत्र के मद्दे किए गए भुगतानों के ब्योरे भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक के कार्यालय नई दिल्ली को भेजे जाएं और उसे लघान और अन्य निर्धारित दस्तावेजों की एक प्रति के साथ नामे डालने के लिए सूचना भी भेजी जानी चाहिए।

4. यह प्राधिकार पत्र दिनांक.....मास.....
198 तक वैध रहेगा।

भक्षरी,

()

जवाबदारी के लिए प्रति निम्नलिखित का प्रेषित:-

1. (बैंक)
चुद्धे यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं० 15-आईटीसी (पीएन)/72 दिनांक 28 जनवरी, 1972, सार्वजनिक सूचना सं० 108-आईटीसी (पीएन)/72, दिनांक 21 जुलाई, 1972, सार्वजनिक सूचना सं० 8-आईटीसी (पीएन)/76 दिनांक 17-1-1976 और समय-समय पर जारी की जाने वाली ऐसी ही अन्य सार्वजनिक सूचना में निहित मिश्रित वर पर गणना किए गए रुपए की समतुल्य धनराशि और उसके साथ उस पर संभरक को भुगतान करने की तिथि से सरकारों लेखों में धनराशि जमा

करने की तिथि तक के लिए सार्वजनिक सञ्चता सं० 46-आई टी सी (पीएन)/76 दिनांक 16-6-1976 में दी गई दर पर व्याप्त आयातक को मूल दस्तावेज रिहा करने से पूर्व जमा करा दी गई है।

2

3.

4.

"आस्ट्रियन पूंजीगत साल साख 1979" समझौता दिनांक 1 फरवरी, 1980 के अंतर्गत आस्ट्रियन नेशनल बैंक, विपना को विस्त संभाव्य, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली द्वारा जारी किए गए प्राधिकार पत्र सं०----- के अंतर्गत भुगतानों के लिए जर्ने-----

-----का आदेश
-----के नाम
में-----की धरराशि
निम्नलिखित दस्तावेजों के प्रस्तुतीकरण के मद्दे देय हैं।-----

-----का भोजनदान पूरा

करने के लिए मूल्य :

विवरण की शर्त : (उदाहरणार्थ जहाज पर्यटन निःशुल्क, सानत एवं भाडा, लागत-बीमा-भाडा)

वितरण के लिए समय :

आंशिक पोषणदानों की अनुमति/निषेध है।

विशेष अनुदेश :

(उदाहरण के लिए बीजक की धरराशि का 100% एकदम भुगतान नहीं किया जाना है)

अनुबन्ध-2

आस्ट्रियन पूंजीगत साल साख 1979 के संबंध में उपयोग रिपोर्ट का प्रपत्र

(प्रत्येक लाइसेंस के संबंध में अलग-अलग भेजा जाना है)

1. आयातक का नाम
2. आयात लाइसेंस की संख्या एवं दिनांक
3. आयात लाइसेंस का मूल्य
4. दिए गए आदेशों का मूल्य
5. अभी किए जाने वाले आदेशों का मूल्य
6. पहले ही किए गए आदेशों के मद्दे किया गया भुगतान
7. अभी किए जाने वाले भुगतान (मूल्य एवं भुगतान की संभावित तिथि के साथ भुगतानों के निमाही अनुमान के साथ)
8. अन्वर्पण, यदि कोई हो,

आयातक के प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर

अनुबन्ध-3

आस्ट्रियन पूंजीगत साल साख 1979 के अंतर्गत उपयोग का निमाही रिपोर्ट को दर्शाने वाला विवरण

1. आयातक का नाम
2. आयात लाइसेंस की संख्या एवं दिनांक
3. आयात लाइसेंस का मूल्य
4. प्राधिकार पत्र की संख्या एवं दिनांक

5 प्राधिकार पत्र की धरराशि

6 प्राधिकार पत्र की वैधता की तिथि

7 बिण्ण, आदेशों का मूल्य

8 निमाही के दौरान उपयोग में लगे गई

धरराशि

आस्ट्रियन शिपिंग

9 उपयोग में लगी गई कुल धरराशि

आस्ट्रियन शिपिंग

10 सरकारी लेखों में जमा की गई कुल धरराशि राशे

11 बाकाबाली निमाही के दौरान किए जाने

वाले भुगतान (निमाही/धरराशि/अनुदान)

12 अन्वर्पण, यदि कोई हो।

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

Public Notice No. 30-- ITC(PN)/80

New Delhi, the 23rd July, 1980

Subject : Licensing conditions in respect of Public Sector and Private Sector Imports under the Austrian Capital Goods Credit, 1979.

F. No. IPC/23/4/80.—The terms and conditions governing the assurance of import licences under the Austrian Capital Goods Credit 1979 as given in Appendices I and II to this Public Notice are notified for information.

MANI NARAYANSWAMI,

Chief Controller of Imports & Exports

APPENDIX I

Conditions for licensing Public Sector Imports under The Austrian Capital Goods Credit, 1979

1. The Licence will be issued with a validity period of twelve months but firm orders on C.I.F./C.&F. basis must be placed on the Austrian suppliers and copies of the same furnished to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs within six months from the date of allocation or four months from the date of issue of the import licence (whichever is earlier). The term 'firm order' means a purchase order placed by the Indian licensee on the foreign supplier duly supported by confirmation from the latter or a purchase contract duly signed by both the Indian Importer and the foreign supplier. If firm orders cannot be finalised within the time limit of four months, the licensee should submit to the Chief Controller of Imports and Exports (C.C.I.&E.) or other licensing authorities, as the case may be, a proposal seeking an extension in the ordering period along with justification and explanation as to why ordering could not be completed within the initial validity period. Such requests for extension in the ordering period will be considered on the merits of each case by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 2 months. If, however, extension is sought beyond 6 months from the date of issue of import licence, such proposal should invariably be referred by the licensing authorities to the Department of Economic Affairs, (I.A. Section), Ministry of Finance. The licence codes "S" and "AA" should be indicated in the first and second suffix after the licence number. The correct licence code should be used in all the shipping documents as well as in the "S" form required to be furnished to the Indian Bank at the time of making rupee deposits.

2. Only capital goods of Austrian origin are eligible for being financed under this credit.

3. The licence will not be valid for remittances from India. Payments to the Austrian suppliers can be made only in accordance with the procedure set forth in paragraphs 6—10 below.

4. The contract of supply between the Indian Importer and the Austrian Supplier should provide for the import being financed out of the Austrian Capital Goods Credit 1979 in accordance with the procedures set forth in the Licensing Conditions, and should also be made subject to approval by the Government of India. Importers should take special care to inform the Suppliers about this condition and also incorporate a clause to this effect in the supply contract. Moreover, approved orders should not be cancelled without prior concurrence of the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (I.A. Section).

5. The value of the contract should be expressed in Austrian Schillings only. The contract should normally provide for cash payment out of the Austrian Capital Goods Credit 1979 on presentation of shipping documents. For any customary performance guarantee, the Suppliers could be asked to furnish a bank guarantee.

6. Soon after the contract is conducted, the importer should request the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, I.A. Section, to obtain the approval of the Austrian authorities to the contract. This request should be accompanied by four photostat/certified copies of the Contract/Supply Order and a photostat copy of the Import Licence. The following information should also be sent to the Department of Economic Affairs along with the contracts/supply order—

(i) Details of the Import Licence—

(a) Number—

(b) Date of Issue—

(c) Value—

(ii) Name and Address of the Importer.....

(iii) Name and Address of the Austrian Suppliers.....

(iv) Value of the contract/order in Austrian Schillings...

(v) Short description of the goods to be imported....

(vi) Time for delivery (A schedule indicating probable dates and amounts of payments to the supplier may also be given).

(vii) Detailed list of shipping documents, like Bill of Lading, Invoices, certificate of Origin, etc., which the Austrian National Bank should demand from the Suppliers before making payment, together with the number of copies of each document required...

(viii) Indian Agents' Commission, if any, included in the contract (Amount or percentage to be indicated). (The Indian Agents Commission will be payable by the Importer in rupees and will not be included in the value of the Letter of Authority).

(ix) Branch of any Nationalised Bank to which the original documents (negotiable) should be sent by the Austrian National Bank.

(x) Date upto which the Letter of Authority to the Austrian National Bank should be valid.

(xi) Special instructions, if any.....

7. On receipt of the copies of the contract/supply order, and the information required in paragraph 6 above, the Department of Economic Affairs (I.A. Section) will forward a copy of the contract to the Austrian National Bank, Vienna together with a Letter of Authority (in the form at Annexure-I) authorizing payment to the suppliers against shipping documents.

8. Within 10 days of the receipt of shipping and other documents from the Austrian National Bank, the Importers' Bank shall arrange to deposit into Government account as indicated in para 9 below, the rupee equivalent of the amount disbursed to the Suppliers together with interest at the rates prescribed in Public Notice No. 46-ITC(PN)/76 dated 16-6-1976 i.e. 9 per cent for first 30 days and 15 per cent for the period in excess thereof from the date of payment to the foreign supplier to the date of actual deposits (both days inclusive). For this purpose, the payments made in Austrian Schillings will have to be converted into rupees as 490GT/80—2

per instructions contained in Public Notice No. 15-ITC(PN)/72 dated 28-1-1972, Public Notice No. 108-ITC(PN)/72 dated 21-7-1972 and Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976. Any change in this rate of conversion will be notified through Public Notice as and when necessary. It will be the responsibility of the bankers to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government Account before the import documents are handed over to the parties. The importer should also ensure that the amounts are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their bankers.

9. The deposit envisaged in para 8 above may be made in cash either at the Reserve Bank of India, New Delhi or the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi or the amount may be remitted through a demand draft drawn on and in favour of the Agent, State Bank of India, Tis Hazari, Delhi-6 for credit to Government account as contemplated in Public Notice No. 233-ITC(PN)/68 dated the 24th October, 1968 and Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5th October, 1971. The head of account to be credited is "K-Deposits and Advances (b) Deposits not bearing interest—843-Civil Deposits—Deposits for purchases etc abroad—Purchases under Austrian Capital Goods Credit, 1979".

In the treasury challans, the following particulars should invariably be furnished (vide also Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974) prescribing the revised challan form which should invariably be used for these remittances.

(a) Ministry of Finance Letter of Authority No. and Date—Austrian Capital Goods Credit, 1979.

(b) Amount of foreign currency in respect of which rupee deposits are to be made together with the rate of conversion adopted.

(c) Date of payment to the foreign suppliers.

(d) The amount of interest paid and the period for which it has been calculated.

(e) Total amount deposited.

(Interest is to be calculated for the period from the date of payment to the suppliers upto the date of deposit of rupee equivalents into Government Account) (both days inclusive).

10. One copy of the Challan from the Reserve Bank of India, New Delhi or the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi-6 or intimation regarding the submission of Demand Draft to the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi-6 should be sent by Importer's Bank to the Controller of Aid Accounts and Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi-110001, along with a forwarding letter, giving full details of the Advice Notes received from the Austrian National Bank.

11. It will be obligatory for the importers to make the requisite rupee deposits through authorised dealers only and also to get the exchange control copy of the licence endorsed by them, as required in Public Notice No. 184-ITC(PN)/68 dated 30th August, 1968. They should also fill in the requisite "S" forms as prescribed by the Reserve Bank of India.

12. It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licensee and the supplier.

13. The licensee shall promptly comply with any directions, instructions, or order issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Austrian Capital Goods Credit 1979. The importer will also furnish a quarterly report (in duplicate) as per Annexure II to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (I.A. Section) and the Controller of Aid Accounts and Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi-110001, as per Annexure-III.

14. Any breach or violation of conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

ANNEXURE I

No. F.

Government of India

Ministry of Finance

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the _____

The Manager,
Austrian National Bank,
Otto Waagner Platz 3,
Vienna-IX (Austria).

Dear Sir,

**AUSTRIAN CAPITAL GOODS CREDIT 1979—
LETTER OF AUTHORITY NO.**

We are to invite a reference to the order No. _____ dated the _____ placed by M/s. _____ on M/s. _____ for Austrian Schillings _____ on account of _____ . We hereby authorise you to pay to M/s. _____ a sum not exceeding Austrian Schillings _____ (Austrian Schillings _____) in accordance with the terms and conditions stipulated in the enclosed statement. It is requested that the invoices, shipping and other documents presented by M/s. _____ be despatched direct to the _____ (Bank).

2. The amount referred to in paragraph 1 above will be repaid by the Government of India in accordance with the terms and conditions laid down in Articles 2 and 3 of the Agreement dated 1st February, 1980 between the Government of India and the Austrian Federal Government.

3. The details of payments made against this Letter of Authority may kindly be intimated to the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Office of the Controller of Aid Accounts and Audit, New Delhi to whom the debit advices along with a copy of the shipping and other stipulated documents should be sent.

4. This authority will remain valid upto the _____ day of _____, 198.

Yours faithfully,

()

Copy forwarded for information to:—

1. _____ (Bank) They should ensure that the rupee equivalent calculated at the composite rate prescribed in Public Notice No. 15-ITC(PN)/72 dated 28th January, 1972, Public Notice No. 108-ITC(PN)/72, dated the 21st July, 1972, Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 and such other Public Notices that may be issued from time to time together with the interest thereon at the rates prescribed in Public Notice No. 46-ITC(PN)/76 dated 16-6-1976 from the date of payment to the suppliers to the date of deposit of the amount into Government Account is deposited before releasing the original documents to the Importer.

2.

3.

4.

Conditions for payments under Letter of Authority No. _____ issued by Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi to Austrian National Bank, Vienna under the "Austrian Capital Goods Credit 1979" Agreement dated 1st February, 1980:—

Order of _____

in favour of _____

amount _____

payable against presentation of the following documents:—
covering shipment of :

Price :

term of delivery : (e.g. f.o.b., c. & f., c.i.f.)

time for delivery :

partial shipments are permitted/prohibited.

Special instructions :

(for example that not 100 per cent of the Invoice amount is to be paid at once.)

ANNEXURE II

**Form of Utilisation Report in Respect of Austrian
Capital Goods Credit 1979.**

(for example that not 100 per cent of the Invoice amount

1. Name of the Importer.
2. Number and Date of Import Licence.
3. Value of the Import Licence.
4. Value of orders placed.
5. Value of orders yet to be placed
6. Payments made against the orders already placed.
7. Payments yet to be made (with a quarterly estimate of payments with values and anticipated dates of payment).
8. Surrenders, if any.

Signature of the authorised officer of the Importer.

ANNEXURE III

**Statement Showing Quarterly Report on Utilisation under
Austrian Capital Goods Credit 1979.**

1. Name of Importer.
2. No. and date of Import Licence.
3. Value of Import Licence.
4. Letter of Authority No. and date.
5. Amount of Letter of Authority.
6. Date of validity of Letter of Authority.
7. Value of orders placed.
8. Amount utilised during the quarter. A. Sch.
9. Total amount utilised A. Sch.
10. Total Amount deposited into Government Account. Rs.
11. Payment expected to be made during the subsequent quarters (give figures—Quarter-wise).
12. Surrenders, if any.

APPENDIX II

**Conditions for Licensing Private Sector Imports under the
Austrian Capital Goods Credit, 1979**

1. The licence will be issued with a validity period of twelve months but firm orders on C.I.F./C. & F. basis must be placed on the Austrian suppliers and copies of the same furnished to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs within four months from the date of issue of the import licence. The term 'firm order' means a purchase order placed by the Indian licensee on the foreign supplier duly supported by confirmation from the latter or a purchase contract duly signed by both the Indian Importer and the foreign supplier. If firm order cannot be finalised within the time limit of four months, the licensee should submit to the Chief Controller of Imports & Exports (C.C.I. & E.) or other licensing authorities, as the case may be, a proposal seeking an extension in the ordering period alongwith justification and explanation as to why ordering could not be completed within the initial validity period. Such requests for extension in the ordering period will be considered on the merits of each case by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 2 months. If, however, extension is sought beyond 6 months from the date of issue of import licence, such proposal should invariably be referred by the licensing authorities to the Department of Economic Affairs (Indian Aid Section), Ministry of Finance. The licence codes 'S' and 'AA' should be indicated in the first and second suffix after the licence number. The correct licence code should be used in all the shipping documents as well as in the 'S' form required to be furnished to the Indian Bank at the time of rupee deposits.

2. Only capital goods of Austrian origin are eligible for being financed under this credit.

3. The licence will not be valid for remittances from India. Payments to the Austrian Suppliers can be made only in accordance with the procedure set forth in paragraphs 6—10 below.

4. The contract of supply between the Indian Importer and the Austrian Supplier should provide for the import being financed out of the Austrian Capital Goods Credit, 1979 in accordance with the procedures set forth in these Licensing Conditions, and should also be made, subject to approval by the Government of India. Importers should take special care to inform the Suppliers about this condition and also incorporate a clause to this effect in the supply contract. Moreover, approved orders should not be cancelled without prior concurrence of the Ministry of Finance Department of Economic Affairs.

5. The value of the contract should be expressed in Austrian Schillings only. The contract should normally provide for cash payment out of the Austrian Capital Goods Credit, 1979 on presentation of shipping documents. For any customary performance guarantee the Suppliers could be asked to furnish a bank guarantee.

6. Soon after the contract is concluded, the importer should request the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Indian Aid Section, to obtain the approval of the Austrian authorities to the contract. This request should be accompanied by four photostat/certified copies of the Contract/Supply Order; a photostat copy of the Import Licence and a Bank Guarantee from an approved scheduled bank in the form attached (Annexure-IV) agreeing to deposit the amounts specified in paragraph 8 below. The footnote under the Bank Guarantee form should be noted for strict compliance. The following information should also be sent to the Department of Economic Affairs (I.A. Section) along with the contract/Supply Order—

(i) Details of the Import Licence—

(a) Number—

(b) Date of issue—

(c) Value—

(ii) Name and Address of the Importer.....

(iii) Name and Address of the Austrian Supplier.....

(iv) Value of the contract/order in Austrian Schillings....

(v) Short description of the goods to be imported.....

(vi) Time for delivery (A schedule indicating probable dates and amounts of payments to the supplier may also be given).

(vii) Detailed list of shipping documents, like Bill of Lading, Invoices, certificate of Origin, etc., which the Austrian National Bank should demand from the Suppliers before making payment, together with the number of copies of each document required.....

(viii) Indian Agents' Commission, if any, included in the contract (Amount or percentage to be indicate). (The Indian Agents' Commission will be payable by the Importers in rupees and will not be included in the value of the Letter of Authority).

(ix) Name of the Importer's Bank in India.....

(x) Special instructions, if any,

7. On receipt of the copies of the contract/supply order, the Bank Guarantee and the information required in paragraph 6 above, the Department of Economic Affairs will forward a copy of the contract to the Austrian National Bank together with a Letter of Authority (in the form at Annexure-I) authorising payment to the suppliers against shipping documents.

8. Within 10 days of receipt of shipping and other documents from the Austrian National Bank, the importers' Bank shall arrange to deposit into Government account as indicated in para 9 below, the rupee equivalent of the amount disbursed to the Suppliers together with interest at the rate prescribed in Public Notice No. 46-ITC(PN)/76 dated 16-6-76 i.e. 9 per cent for first 30 days and 15 per cent for the period in excess thereof from the date of payment to foreign Supplier to the date of actual deposit (both days inclusive). For this purpose, the payments made in Austrian Schillings will have to be converted into Rupees as per instructions contained in Public Notice No. 15-ITC(PN)/72 dated 28-1-1972, Public Notice No. 108-ITC(PN)/72 dated

21-7-1972 and Public Notice No. 8-ITC(PN)/75 dated 17-1-76. Any change in this rate of conversion will be notified through Public Notice as and when necessary. The importer should furnish a Bank Guarantee from an approved Scheduled Bank in the form in Annexure-IV agreeing to deposit the amount. The rate of exchange to be adopted for working out the amount of the Bank Guarantee should be the same as indicated on the import licence.

The footnote under the Bank Guarantee form should be noted for strict compliance. It will be responsibility of the bankers to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government Account before the import documents are handed over to the parties. The importer should also ensure that the amounts are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their bankers.

9. The deposit envisaged in para 8 may be made in cash either at the Reserve Bank of India, New Delhi or the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi or the amount may be remitted through a Demand Draft drawn on and in favour of the Agent, State Bank of India, Tis Hazari, Delhi-6 for credit to Government account as contemplated in Public Notice No. 233-ITC(PN)/68 dated 24th October, 1968 and Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5th October, 1971. The head of account to be credited is "K-Deposits and Advanced (b) Deposits not bearing interest—843-Civil Deposits-Deposits for purchases etc. abroad-Purchases under Austrian Capital Goods Credit, 1979."

In the treasury challans, the following particulars should invariably be furnished (vide also Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974) prescribing the revised challan form which should invariably be used for these remittances.

(a) Ministry of Finance Letter of Authority No. & Date Austrian Capital Goods Credit, 1979.

(b) Amount of foreign currency in respect of which rupee deposits are to be made together with the rate of conversion adopted.

(c) Date of payment to the foreign suppliers.

(d) The amount of interest paid and the period for which it has been calculated.

(e) Total amount deposited.

(Interest is to be calculated for the period from the date of payment to the suppliers upto the date of deposit of rupee equivalents into Government Account (both days inclusive).

10. One copy of the Challan from the Reserve Bank of India, New Delhi or the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi-6 or intimation regarding the submission of Demand Draft to the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi-6 should be sent by Importer's Bank, which has issued the Bank Guarantee to the Controller of Aid Accounts and Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi-110001 along with a forwarding letter, giving full details of the Advice Notes received from the Austrian National Bank.

11. It will be obligatory for the importers to make the requisite rupee deposits through authorised dealers only and also to get the exchange control copy of the licence endorsed by them as required in Public Notice No. 184-ITC(PN)/68 dated 30th August, 1968. They should also fill in the requisite "S" forms as prescribed by the Reserve Bank of India.

12. After the imports under a licence are completed and the Importer's bankers have deposited into Government Account all the amount due details of the import received and the rupee deposits made should be furnished to the Controller of Aid Accounts and Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi-110001 in the proforma prescribed in Annexure V to enable the Ministry of Finance to verify and arrange for release of the Bank Guarantees furnished by the importers wherever necessary. The importers will also be responsible to furnish a utilization report in the form in Annexure-III quarterly to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, I.A. Section and the Controller of Aid Accounts and Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi-110001.

13. It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licensee and the supplier.

14. The licensee shall promptly comply with any directions, instructions, or order issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Austrian Capital Goods Credit, 1979. They will also furnish a quarterly report (in duplicate) to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Indian Aid Section as per Annexure-III attached.

15. Any breach or violation of conditions set forth in the above clause will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

ANNEXURE I

No. F.

GOVERNMENT OF INDIA MINISTRY OF FINANCE (Department of Economic Affairs) New Delhi, the _____

The Manager,
Austrian National Bank,
Otto Wagner Platz 3,
Vienna-IX (Austria).

Dear Sir,

AUSTRIAN CAPITAL GOODS CREDIT 1979—

LETTER OF AUTHORITY NO.

We are to invite a reference to the order No. _____ dated the _____ placed by M/s. _____ on M/s. _____ for Austrian Schillings _____ on account of _____. We hereby authorise you to pay to M/s. _____ a sum not exceeding Austrian Schillings _____ (Austrian Schillings _____) in accordance with the terms and conditions stipulated in the enclosed statement. It is requested that the invoices, shipping and other documents presented by M/s. _____ be despatched direct to the _____ (Bank).

2. The amount referred to in paragraph 1 above will be repaid by the Government of India in accordance with the terms and conditions laid down in Articles 2 & 3 of the Agreement dated 1st February, 1980 between the Government of India and the Austrian Federal Government.

3. The details of payments made against this Letter of Authority may kindly be intimated to the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Office of the Controller of Aid Accounts & Audit, New Delhi to whom the debit advices alongwith a copy of the shipping and other stipulated documents should be sent.

4. This authority will remain valid upto the _____ day of _____, 198 .

Yours faithfully,
()

Copy forwarded for information to :—

1. _____ (Bank) They should ensure that the rupee equivalent calculated at the composite rate prescribed in Public Notice No. 15-ITC(PN)/72 dated 28th January, 1972, Public Notice No. 198-ITCS(PN)/72 dated 21st July, 1972, Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 and such other Public Notices that may be issued from time to time together with the interest thereon at the rates prescribed in Public Notice No. 46-ITC(PN)/76 dated 16-6-1976 from the date of payment to the suppliers to the date of deposit of the amount into Government Account is deposited before releasing the original documents to the Importer.

2.
3.
4.

Condition for payments under Letter of Authority No. _____

_____ issued by Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi to Austrian National Bank, Vienna under the "Austrian Capital Goods Credit 1979" Agreement dated 1st February, 1980 :—

Order of _____
in favour of _____
amount _____

payable against presentation of the following documents :—

covering shipment of :

Price :

term of delivery : (e.g. f.o.b., c.&f., c.i.f.)

time for delivery :

partial shipments are permitted/prohibited.

Special instructions :

(for example that not 100 per cent of the Invoice amount is to be paid at once).

ANNEXURE II

Form of Utilisation Report in Respect of Austrian Capital Goods Credit, 1979

(to be furnished separately in respect of each licence)

1. Name of the Importer.
2. Number and Date of Import Licence.
3. Value of the Import Licence.
4. Value of orders placed.
5. Value of orders yet to be placed.
6. Payments made against the orders already placed.
7. Payments yet to be made (with a quarterly estimate of payments with values and anticipated dates of payment).
8. Surrenders, if any.

Signature of the authorised
Officer of the Inspector.

ANNEXURE III

Statement Showing Quarterly Report on Utilisation Under Austrian Capital Goods Credit 1979

1. Name of Importer.
2. No. and date of Import Licence.
3. Value of Import Licence.
4. Letter of Authority No. and date.
5. Amount of Letter of Authority.
6. Date of validity of Letter of Authority.
7. Value of orders placed.
8. Amount utilised during the quarter. A. Sch.
9. Total amount utilised. A. Sch.
10. Total Amount deposited into Government Account. Rs.
11. Payment expected to be made during the subsequent quarters (give figures Quarter-wise).
12. Surrenders, if any.

ANNEXURE IV

GUARANTEE BOND

(to be furnished by Banks under the Procedure for the import of goods under the Austrian Capital Goods Credit, 1979)
To

The President of India,

In consideration of the President of India (hereinafter called 'the Government') having agreed to arrange for payment in Austrian Schillings for the import of _____ by _____ (hereinafter called the 'importer' under the terms and conditions of the Austrian Credit, 1979 and in pursuance of Import Licence No. _____ issued on _____ in favour of the Importer against the above agreement, we _____ (Bank) at the request of the importer hereby undertake to arrange to deposit the amounts of the disbursements made by the Austrian National Bank and commission and postal charges payable to that Bank converted at the prevailing composite rate of exchange calculated as per instructions issued

in C.C.I. & E.'s Public Notice No. i-ITC(PN)/76 dated 17-1-76 or as notified by the Government in the matter from time to time within ten days of the receipt of advice of payment for credit to the Government account in the manner and against the appropriate Heads of Account as indicated by Government of India under the said credit together with interest at the rates prescribed in Public Notice No. 46-ITC(PN)/76 dated 16-6-76 i.e. at the rate of 9 per cent for first 30 days and 15 per cent for the period in excess of from the date of payment to foreign supplier to the date of actual deposits (both days inclusive).

2. We, the _____ (Bank) also undertake to indemnify and keep indemnified the Government against any default in payment by the importer of any sum that may be due and payable from time to time by the Importer to the Government at such place and in such manner as the Government may from time to time direct such sum not exceeding Rs. _____ or any part thereof for the time being due and payable by the Importer together with interest thereon at the rate of 9 per cent per annum for the first thirty days and at the rate of 15 per cent per annum for the period in excess thereof (vide Public Notice 1b1c) accrued from the date of payment to the supplier to the date of actual deposit of the rupee equivalent in Government account. The decision of the Government as to any default in the said payment by the Importer or on his part and in regard to the amount payable to the Government by us _____ (Bank), shall be final and binding on us _____ (Bank).

3. We, _____ (Bank) further agree that in case of increase in the value of import or increase in the value of unfulfilled deliveries under the contract as a result of change in the composite rate of exchange mentioned in para 1 above, the amount of this guarantee bond will be adjusted as on the date when the change takes place in proportion to this change.

4. We, _____ (Bank) further agree that the guarantee herein contained shall remain in full force and effect during the period that would be taken for the performance of the said/agreement/contract and that it shall continue to be enforceable till all the dues to the Government under or by virtue of this guarantee have been fully paid and its claims satisfied or discharged.

5. The guarantee herein contained shall not be effected by any change in the constitution of the Importer or the (Bank), and the Government shall have the fullest liberty without affecting the guarantee to postpone for any time and from time to time any of the powers exercisable by it against the importer and either to enforce payment by the importer of any of the amounts the payment whereof is intended to be hereby secured and the _____ (Bank), shall not be released from its liability under the guarantee by any exercise by the Government of the liberty with reference to the matters aforesaid or by reason of time being given to the Importer or any other forbearance, act or omission on the part of the Government or any indulgence by the Government, to the Importer or by any matter or thing whatsoever which under the law relating to surties shall, but for this provision, have the effect of so releasing the _____ (Bank), from its such liability.

6. We, _____ (Bank) undertake not to revoke this guarantee during its currency except with previous consent of the Government in writing.

7. We, _____ (Bank), hereby undertake to make additional deposits in terms of Public Notices No. 15-ITC(PN)/72 dated 28th January, 1972 and No. 108-ITC(PN)/72 dated 21st July, 1972 and 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 and such other Public Notices that may be issued from time to time hereafter.

8. Our liability under this and postal guarantee is restricted to Rs. _____ (plus interest and commission and postal charges, if any, not expected to exceed one per cent of the guaranteed amount) and this guarantee shall remain in force till the _____ day* of _____ (month), 19____. Unless claims under this guarantee are made in writing within six

months of this date and unless a suit or action to enforce these claims is commenced within another six months thereafter, i.e. upto _____, all Government's rights under this guarantee shall be forfeited and we shall be relieved and discharged from all liability thereunder.

Dated, the _____ day of
For _____ (Bank)

Accepted for and on behalf of
the President of India by
Shri _____
Name and Designation

Signature.....

*This date shall be arrived at by adding one month to the date by which all payments to the suppliers are expected to be finalised.

NOTE :—This value of the stamped paper on which this guarantee is to be executed, is to be adjudicated by the Collector of Stamps, under Section 31 of the Indian Stamps Act.

ANNEXURE V

PROFORMA

1. Name and full address of the importer/licencee on whose behalf the Bank Guarantee was furnished.
2. The import licence number and date and value.
3. Number, date and amount of the guarantee furnished.
4. Particulars of the Letter of Authority contained from the Ministry of Finance :
 - (a) Number and date of the Letter of Authority;
 - (b) Amount of the Letter of Authority (in Austrian Schillings).
5. Particulars of Imports effected and rupee deposits made:
 - (a) Name of Supplier(s).
 - (b) Amount in Austrian Schillings actually paid to the Supplier(s) mentioned at (a) above.
 - (c) Date of payment to the supplier by the Austrian national Bank.
 - (d) Amount of rupee deposit :—
 - (i) Rupee equivalent of Austrian Schillings amount paid to the supplier @ 1 Austrian Schilling = Rs. _____.
 - (ii) Interest paid.
 - (iii) Period for which the interest has been calculated from _____ to _____.
 - (iv) Total deposit made.
 - (v) Date and place of deposit.
 - (vi) Number and date of the Treasury Challan (to be enclosed). If the Treasury Challan has already been sent, reference to the letter number and date with which it was sent may be quoted.
 - (vii) If the rupee deposit mentioned in (d)(iv) above was made by means of Demand Draft, the number, date, and amount of the draft and particulars of your letter with which it was sent to the Accountant General, Central Revenues, to be indicated.
6. Amount utilised and balance unutilised (in Austrian Schillings) against each Letter of Authority :—
7. A certificate that the balance indicated in 6 above, has not been utilised and no shipment has been made thereof, and the same may be treated as lapsed.

(Authorised signatures)

